



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

शिमला, शनिवार, 7 जुलाई, 2001/16 आषाढ़, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

राज्य निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

शिमला-2, 28 जून, 2001

संख्या रा० नि० आ०-13-62/99-962-1022.—भारत के संविधान के अनुच्छेद संख्या 243 व क, हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 9 तथा हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 281 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष निर्वाचन (मतदान प्रक्रिया) नियमावली, 2001 बनाता है:—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार, प्रयोज्यता एवं प्रारम्भ.—(1) इस नियमावली को हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अध्यक्ष/उपाध्यक्ष निर्वाचन (मतदान प्रक्रिया) नियमावली, 2001 कहा जाएगा।

(2) यह नियमावली पूरे हिमाचल प्रदेश में लागू होगी तथा प्रदेश की समस्त नगरपालिका के निर्वाचनों पर प्रयुक्त होगी।

(3) यह नियमावली हिमाचल प्रदेश राजपत्र में प्रकाशन के दिन से प्रभावी होगी।

2. परिभाषाएं.—(1) इस नियमावली में, जब तक कि कोई बात सन्दर्भ के विपरीत न हो,—

- (क) “अध्यक्ष” तथा “उपाध्यक्ष” से नगर निगम के सम्बन्ध में क्रमशः महापौर तथा उप-महापौर और नगरपरिषद् या नगर पंचायत के सम्बन्ध में क्रमशः सम्बन्धित नगरपालिका के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष अभिप्रेत हैं;
- (ख) “निर्वाचन” से नगरपालिका के अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष, का निर्वाचन अभिप्रेत है;
- (ग) “सदस्य” से नगर निगम का पार्षद अथवा नगरपरिषद् या नगर पंचायत के सदस्य यथास्थिति जिन अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के निर्वाचन में, यथास्थिति मत देने का अधिकार प्राप्त हो, अभिप्रेत है;
- (घ) नगरपालिका से नगर निगम, नगर परिषद् अथवा नगर पंचायत यथास्थिति, अभिप्रेत है;
- (ङ) “पीठासीन अधिकारी” से वह अधिकारी अभिप्रेत है जो हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद के आरक्षण तथा निर्वाचन) नियमावली, 1995 के नियम 6 तथा हिमाचल प्रदेश नगर निगम (महापौर तथा उप-महापौर के पद के आरक्षण और निर्वाचन नियमावली, 1996 के नियम 5 के अन्तर्गत गक्षम हो।

(2) इस नियमावली में प्रयुक्त परन्तु अपरिभाषित अन्य शब्दों तथा वाक्यांश के अर्थ वही होंगे जो हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 अथवा हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, यथास्थिति, 1994 में प्रदत्त हैं।

3. व्यक्तिगत मतदान.—प्रत्येक निर्वाचन में, जहाँ मतदान करवाया जाता है, मतदान व्यक्तिगत रूप में किया जाएगा, परोक्ष अथवा प्रतिनिधि के द्वारा नहीं।

4. निर्वाचन परिसर में प्रवेश.—अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को उस कमरे में, जहाँ निर्वाचन हो रहे हों, प्रवेश की अनुमति नहीं होगी :—

- (क) पीठासीन अधिकारी ;
- (ख) पीठासीन अधिकारी की सहायता हेतु नियुक्त कोई भी कर्मचारी ;
- (ग) निर्वाचन से सम्बन्धित काम पर तैनात कोई भी अन्य जन सेवक ;
- (घ) जो अंधा या अपंग/कृशकाय सदस्य सहायता के बिना चल फिर नहीं सकता उसके साथ चलने वाला केवल एक सदस्य या साथी ;
- (ङ) राज्य निर्वाचन आयुक्त अथवा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत अन्य कोई व्यक्ति।

5. अन्धे तथा अपंग व्यक्ति द्वारा मतदान.—(1) यदि पीठासीन अधिकारी संतुष्ट हो कि अंधेपन या अन्य शारीरिक अपंगता/कृशकायता के कारण कोई सदस्य मतपत्र पर अंकित नाम अथवा चुनाव चिन्ह को पहचानने या सहायता के बिना उस पर निशान लगाने में असमर्थ है। तो पीठासीन अधिकारी ऐसे सदस्य को मतदान कक्ष तक अपने साथ सहयोगी ले जाने की अनुमति देगा ताकि वह उसकी ओर से मतपत्र पर उसकी इच्छानुसार निशान लगा सके और, यदि आवश्यक हो तो, मतपत्र की गोपनीयता बनाए रखने हेतु उसे मोड़कर मत पेट्टी में डाल सके।

(2) जिस व्यक्ति का नाम निर्वाचनाधीन नगरपालिका की प्रभावी मतदाता सूची में विद्यमान न हो उसे सहयोगी बनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) किसी भी व्यक्ति को एक ही दिन एक से अधिक सदस्य के लिए सहयोगी बनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(4) किसी व्यक्ति को सहयोगी के रूप में कार्य करने से पूर्व प्रूप-सीई-1 में यह घोषणा करनी पड़ेगी कि सम्बन्धित सदस्य की ओर से किए जाने वाले मतदान को वह गोपनीय रखेगा और उस दिन वह अन्य किसी सदस्य के सहयोगी के रूप में कार्य नहीं करेगा, तथा उसका नाम सम्बन्धित नगरपालिका की मतदाता सूची में दर्ज है।

(5) पीछासीन अधिकारी ऐसे सभी फार्म छः माह तक अथवा ऐसे निर्वाचन को चुनौती देने वाली निर्वाचन याचिका, यदि कोई हो, के निर्णय तक, जो भी बाद में हो, सुरक्षित रखेंगे।

आदेश द्वारा,

कै० सी० शर्मा,
राज्य निर्वाचन आयुक्त,
हिमाचल प्रदेश।

प्रपत्र—सीई-1

सहयोगी द्वारा घोषणा

नगर निगम/नगर परिषद्/नगर पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के निर्वाचन।

मैं पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री
आयु निवासी* घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि :

(क) मेरा नाम नगर निगम/नगर परिषद्/नगर पंचायत के वार्ड सं० की मतदाता सूची में क्रम सं० पर दर्ज है ;

(ख) मैंने आज दिनांक को किसी भी अन्य सदस्य के सहयोगी के रूप में कार्य नहीं किया है, तथा

(ग) मैं किसी को भी यह नहीं बताऊंगा कि मैंने श्री** की ओर से किस के पक्ष में मतदान किया है।

दिनांक

स्थान

सहयोगी के हस्ताक्षर।

*पूरा पता दिया जाए।

**सदस्य का नाम दिया जाए।

STATE ELECTION COMMISSION HIMACHAL PRADESH

NOTIFICATION

Shimla-2, the 28th June, 2001

No. SEC-13-62/99-962-1022.—In exercise of the powers vested in it under Article 243-ZA of the Constitution of India, Section 9 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994, and Section 281 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994, the State Election Commission hereby makes the following Rules, namely, the Himachal Pradesh Municipal Chairpersons Election (Voting Procedure) Rules, 2001 :—

1. *Short title, extent, application and commencement.*—(1) These rules shall be called the Himachal Pradesh Municipal Chairpersons Election (Voting Procedure) Rules, 2001.

(2) These rules shall extend to the whole of Himachal Pradesh and apply to elections held to all Municipalities in the State.

(3) These rules shall come into force on the date of their publication in the Himachal Pradesh Rajpatra.

2. *Definitions.*—(1) Unless a contrary intension appears from the context, —

- (a) 'Chairperson' and 'Vice-Chairperson' of a Municipal Corporation shall mean the Mayor and Deputy Mayor thereof respectively and the 'Chairperson' and 'Vice-Chairperson' in relation to a Municipal Council or Nagar Panchayat shall mean the President and Vice-President respectively of such Municipality.
- (b) 'Election' shall mean election of a Chairperson or Vice-Chairperson of a Municipality.
- (c) 'Member' shall mean a Councillor of a Municipal Corporation or a member of a Municipal Council or Nagar Panchayat, as the case may be, who has a right to vote at an election of a Chairperson or Vice-Chairperson, as the case may be.
- (d) 'Municipality' shall mean a Municipal Corporation, a Municipal Council or a Nagar Panchayat, as the case may be.
- (e) 'Presiding Officer' shall mean an officer competent under rule 6 of the Himachal Pradesh Municipal (Reservation and Election to the office of the President and Vice-President) Rules, 1995 or, as the case may be, rule 5 of Himachal Pradesh Municipal Corporation (Reservation and Elections to the Office of Mayor and the Deputy Mayor) Rules, 1996 to conduct such election.

(2) The words and expressions used but not defined herein shall bear the same meaning as has been assigned to them in the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994, or, as the case may be, the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994.

3. *Voting in person.*—At every election, where a poll is taken, votes shall be cast in person and not by proxy.

4. *Admission into the election premises.*—During the course of election to the office of Chairperson or Vice-Chairperson, no person other than the following shall be admitted into the room in which election is being held :

- (a) The Presiding Officer;
- (b) Any official appointed to assist the Presiding Officer;
- (c) Any other public servant on duty in connection with the election;
- (d) A member or companion accompanying a blind or infirm member who cannot move without help (one for each member);
- (e) State Election Commissioner or such other person as may be authorised by the State Election Commission.

5. *Recording of Votes of blind or infirm voters.*—(1) If the Presiding Officer is satisfied that owing to blindness or other physical infirmity, a member is unable to recognise the name or symbols on the ballot paper or to make a mark thereon without assistance, the Presiding Officer shall permit such member to take with him a companion of his choice to the voting compartment for recording the vote on the ballot paper on his behalf in accordance with his wishes, and, if necessary, for folding the ballot paper so as to conceal the vote and insert it into the ballot box.

(2) No one other than a person, whose name appears in the operative electoral roll of the municipality in which election is being held, shall be allowed to act as companion.

(3) No person shall be permitted to act as a companion of more than one member on the same day.

(4) Before any person is permitted to act as the companion of a member, the person shall be required to declare in Form—CE-1 that he shall keep secret the vote recorded by him on behalf of the member and that he has not already acted as the companion of any other member on the same day and that his name appears in the electoral roll of the municipality concerned.

(5) The Presiding Officer shall preserve all such forms for a period of six months or till the decision of an election petition if any, challenging such election, whichever is later.

By order,

K. C. SHARMA,
State Election Commissioner,
Himachal Pradesh.

FORM—CE-1

DECLARATION BY COMPANION

Election to Chairperson/Vice-Chairperson of Municipal Corporation/Municipal Council/
Nagar Panchayat.....

I, son/daughter/wife of
 aged resident of
 hereby declare that :

- (a) My name appears in the electoral roll of ward No. and name
 at S. No. of Municipal Corporation/
 Municipal Council/Nagar Panchayat.....

 (b) I have not acted as a companion of any other member today, the.....

 (c) I will not disclose to anyone, the person in whose favour the vote has been
 recorded by me on behalf of Shri

Dated.....

Place.....

****Signature of Companion**

*Full address to be given.

**Name of member to be given.